हिंदी दैनिक खबर

हर पल, हमारी खबर

केशववाणी

अनमोल वचन

भले दुनिया से थोड़ा पीछे रहो,लेकिन तैयारी मजबूत हो, तो तुम कभी भी आगे निकल सकते हो ।

रविवार 08 फ़रवरी 2026 बर्ष 02 अंक 133 पृष्ठ 4 www.keshavtv24.com Email:keshavtvbihar@gmail.com

राजगीर दिगम्बर जैन धर्मशाला में चार जैन तीर्थयात्रियों के शव बरामद
कमरे से लटके मिले; जांच के लिए विशेष टीम कर्नाटक रवाना

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर, राजीव लोचन की रिपोर्ट।

केशववाणी । राजगीर (नालंदा)। राजगीर थाना क्षेत्र के धुर्वा मोड़ स्थित दिगम्बर जैन धर्मशाला में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक कमरे से बैंगलोर (कर्नाटक) से आए चार जैन तीर्थयात्रियों के शव बरामद किए गए। चारों शव कमरे के अंदर फंदे से लटके मिले। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन हरकत में आया और मामले की जांच शुरू कर दी गई।जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह करीब 9:40 बजे राजगीर थानाध्यक्ष को सूचना मिली कि धर्मशाला का एक कमरा पिछले तीन दिनों से बंद है और वहां से दुर्गंध आ रही है। सूचना मिलते ही वरीय अधिकारियों को अवगत कराते हुए पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में दरवाजा तोड़कर कमरा खोला गया, जहां एक पुरुष और तीन महिलाओं के शव छत में लगे हुक से लटके पाए गए।पुलिस ने तत्काल घटनास्थल को सुरक्षित कर विधि–विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) पटना और डॉग स्क्वायड को बुलाया। विशेषज्ञों की टीम ने फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी के बाद शवों को नीचे उतारा। कमरे से आधार कार्ड, पैन कार्ड, एटीएम कार्ड, अन्य दस्तावेज, नगद 1.18 लाख रुपये, कपड़े तथा बड़ी मात्रा में नींद व अवसादरोधी दवाइयां (करीब 25 पत्ते) बरामद किए गए।धर्मशाला के रजिस्टर के अनुसार कमरा जी.आर. प्रसाद के नाम से बुक था। बरामद कागजात के आधार पर मृतकों की पहचान जी.आर. सुमंगला (78), शिल्पा जी.आर. (48), श्रुथा जी.बी. (43) और जी.आर. नागा प्रसाद (50) के रूप में हुई है। सभी कर्नाटक के तामकुर जिले के गुब्बी (ग्रामीण) क्षेत्र के निवासी थे। पुलिस ने कर्नाटक पुलिस से संपर्क कर परिजनों को सूचना दे दी है।सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, बिहारशरीफ भेजा गया है, जहां मेडिकल बोर्ड की निगरानी में वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराया जाएगा। धर्मशाला प्रबंधन के आवेदन पर विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है।मृतकों के परिजनों और कर्नाटक पुलिस से पूछताछ में पता चला है कि परिवार आर्थिक तंगी से गुजर रहा था और मानसिक तनाव की स्थिति में था। नागा प्रसाद इंजीनियरिंग स्नातक थे, लेकिन बेरोजगार थे। वे हाल ही में एक आपराधिक मामले में जेल से जमानत पर छूटे थे। इस संबंध में जिला एवं सत्र न्यायालय, बंगलुरू ग्रामीण से जारी जमानत आदेश भी पुलिस को मिला है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक, नालंदा ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। टीम धर्मशाला के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है तथा दो सदस्यीय दल को कर्नाटक भेजा जा रहा है, जो मृतकों के पारिवारिक, आर्थिक और अन्य पहलुओं की विस्तृत जांच करेगा।

पुलिस का कहना है कि सभी बिंदुओं पर जांच जारी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मॉडल अस्पताल की व्यवस्था में बड़ा सुधार, डीएम ने की सराहना
'ईज ऑफ लिविंग' पहल से मरीजों को मिल रहीं बेहतर सुविधाएं

अमर वर्मा की रिपोर्ट। केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। नालंदा जिलाधिकारी कुंदन कुमार ने शनिवार को बिहारशरीफ मॉडल अस्पताल का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य सेवाओं में हुए सुधारों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहत. रीन बताते हुए कहा कि पिछले डेढ़–दो महीने से लगातार छोटे–छोटे बदलाव किए जा रहे हैं, जिनका सकारात्मक असर अब स्पष्ट रूप से दिख रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार की 'सात निश्चय' योजना के तहत 'ईज ऑफ लिविंग' पहल के अंतर्गत अस्पताल में कई नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इस पहल का उद्देश्य आम लोगों को कम खर्च में बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। अस्पताल के मुख्य प्रवेश द्वार पर एक बड़ा डिजिटल सूचना पैनल लगाया गया है, जिसमें सभी डॉक्टरों के नाम, प्रोफाइल, मोबाइल नंबर और ओपीडी का समय प्रदर्शित किया गया है। इससे मरीजों को संबंधित चिकित्सक तक पहुं. चने में काफी सुविधा हो रही है। इसके अलावा, अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं और सरकारी दवाइयों की सूची भी फ्लेक्स व साइनबोर्ड के माध्यम से प्रदर्शित की गई है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है। महिलाओं से जुड़ी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए अत्याधुनिक आईसीयू मशीन की शुरुआत की गई है। डीएम ने इसे 'स्टेट ऑफ द आर्ट' तकनीक बताते हुए कहा कि जल्द ही ऑर्थोपेडिक सेवाएं भी शुरू की जाएंगी। उन्होंने अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर को विश्वस्तरीय बताया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत की। परिजनों ने अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों और सुविधाओं पर संतोष जताते हुए कहा कि अब उन्हें बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती। डीएम ने कहा कि अस्पताल में बिचौलियों की समस्या पर लगातार कार्रवाई की जा रही है, जिससे स्थिति में सुधार आया है। सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जल्द ही एआई कैमरे लगाए जाएंगे और बाउंड्री वॉल की ऊंचाई भी बढ़ाई जाएगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल की सेवाओं की दैनिक निगरानी के लिए एक मैट्रिक्स प्रणाली विकसित की जा रही है। किसी भी मशीन में खराबी आने पर उसे कम से कम समय में ठीक करने की व्यवस्था होगी। साथ ही आपात स्थिति में मरीजों को एंबुलेंस के माध्यम से अन्य पीएचसी में भेजने की बैकअप योजना भी तैयार की जा रही है। जिलाधिकारी ने डॉक्टरों, नर्सों और जीविका समूह द्वारा संचालित स्वच्छता एवं भोजन व्यवस्था की भी सराहना की। उन्होंने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि छोटे–छोटे सुधारों से ही बड़े बदलाव संभव होते हैं। इस मौके पर सिविल सर्जन, डीपीएम, डीएस सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिंद में बनेगा 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस', बालिकाओं को
मिलेगा एथलेटिक्स, फुटबॉल व आर्चरी का प्रशिक्षण

शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट। केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। खेल विभाग, बिहार सरकार के निर्देश पर जिले में खेल प्रतिभाओं को निखारने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। जिला पदाधिकारी कुंदन कुमार ने बिंद प्रखंड स्थित उच्च विद्यालय बिंद के खेल मैदान/परिसर को 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के रूप में चयनित किया है।

इस केंद्र पर बालिका खिलाड़ियों के लिए एथलेटिक्स, फुटबॉल और आर्चरी जैसी खेल विधाओं में विशेष प्रशिक्षण की व्यवस्था की जाएगी। खिलाड़ियों को आधुनिक एवं व्यवस्थित प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के साथ–साथ आवासीय सुविधा भी सुनिश्चित की गई है। खिलाड़ियों के रहने के लिए राजकीयकृत +2 उच्च विद्यालय बिंद के छात्रावास का चयन किया गया है, जहां लगभग 30 से 50 खिलाड़ियों के ठहरने की क्षमता होगी। इससे दूर–दराज के क्षेत्रों की प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी नियमित प्रशिक्षण का लाभ उठा सकेंगी।

जिला प्रशासन का उद्देश्य जिले की उभरती खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है। सेंटर के सुचारू संचालन हेतु आवश्यक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य तेज कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पहल से बदली तस्वीर
बिहार की बेटियां बनीं राज्य की पहली महिला बस चालक

अनुमंडल संवाददाता बिहारशरीफ , गुड्डू कुमार की रिपोर्ट। केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय एवं जनप्रिय नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सामाजिक क्रांति और परिवर्तनकारी नीतियों का सकारात्मक परिणाम अब जमीनी स्तर पर दिखाई देने लगा है। उनकी प्रेरणा और सरकार की योजनाओं के तहत बिहार की बेटियां आज नई पहचान बना रही हैं। इसी कड़ी में राज्य की कई युवतियां बिहार की पहली महिला बस चालक बनकर इतिहास रचने जा रही हैं।

एक वर्ष पूर्व तक ये लड़कियां सामाजिक तानों और बेरोजगारी की वजह से निराश थीं। बस ड्राइविंग का प्रशिक्षण लेने के बावजूद उन्हें अवसर नहीं मिल पा रहा था। इनमें से पांच लड़कियों ने बाल विवाह को ठुकराकर आत्मनिर्भर बनने का रास्ता चुना और बस चालक बनने का साहसिक निर्णय लिया। ग्रामीण परिवेश से आने वाली इन बेटियों की दुनिया पहले घर और खेत तक सीमित थी, लेकिन समाजसेवी सुधा वर्गीज ने उन्हें हिम्मत और दिशा दी।

अब ये सभी युवतियां 14 फरवरी से सड़कों पर 'पिंक बस' चलाते हुए महिलाओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करेंगी और आत्मनिर्भरता की नई मिसाल पेश करेंगी।

इस ऐतिहासिक और अनुकरणीय बदलाव के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तथा परिवहन मंत्री श्रवण कुमार के प्रति आभार और धन्यवाद व्यक्त किया गया है, जिनकी पहल से बेटियों को आगे बढ़ने का यह अवसर मिला है।

शिवपुरी में अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, नगर निगम की बड़ी कार्रवाई से ध्वस्त हुई झुकी इमारत

नोटिस के बाद भी नहीं माना मालिक, निगम ने पुलिस बल के साथ गिराया खतरनाक मकान, जनता की सुरक्षा के लिए सख्त कदम

प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट। केशववाणी बिहारशरीफ (नालंदा)। नगर निगम प्रशासन ने शनिवार को लहेरी थाना क्षेत्र के शिवपुरी मोहल्ले में अवैध निर्माण के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एक मकान की झुकी हुई ऊपरी संरचना को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। उक्त मकान शशिकांत कुमार (सीमा कुमारी) के नाम पर बताया जा रहा है, जिसे नाला निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त एवं झुकी स्थिति में होने के बावजूद खड़ा किया गया था।

नगर निगम की टीम भारी पुलिस बल और दंडाधिकारी की मौजूदगी में मौके पर पहुंची। पोकलेन और बुलडोजर की सहायता से म्युनिसिपल एक्ट के तहत अवैध निर्माण को गिरा दिया गया। कार.'वाई के दौरान क्षेत्र में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

नगर निगम के सिटी मैनेजर साकेश कुमार ने बताया कि नाला निर्माण के दौरान ही भवन झुक गया था। इसके बावजूद मकान मालिक द्वारा निर्माण कार्य जारी रखा गया, जिससे यह इमारत आसपास के लोगों और राहगीरों के लिए खतरा बन गई थी। उन्होंने कहा कि जन सुरक्षा को देखते हुए यह कार्रवाई आवश्यक थी।वहीं, मकान मालिक के परिजनों ने प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए इसे साजिश करार दिया। उनका कहना है कि मकान उनकी रैयती जमीन पर बना था। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के 37 मकानों का सर्वेक्षण किया गया, लेकिन किसी अन्य के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई। परिजनों का आरोप है कि नोटिस तो दिया गया, लेकिन सामान हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला।

परिजनों ने यह भी दावा किया कि नगर निगम के अधिकारियों ने पहले मुआवजे का आश्वासन दिया था, लेकिन बाद में इससे मुकर गए। उनका कहना है कि निर्माण के दौरान प्रशासन की गाड़ियां रोज इस रास्ते से गुजरती थीं, लेकिन उस समय किसी ने आपत्ति नहीं जताई।इस पर सिटी मैनेजर साकेश कुमार ने स्पष्ट किया कि मकान मालिक को पूर्व में नोटिस जारी किया गया था, लेकिन उन्होंने नोटिस लेने से इनकार कर दिया।

उन्होंने कहा कि सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए नियमानुसार कार्रवाई की गई है।नगर निगम अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई पूरी तरह जनहित में की गई है। झुकी हुई इमारत किसी भी समय गिर सकती थी, जिससे बड़ी दुर्घटना हो सकती थी। प्रशासन ने भविष्य में भी अवैध और खतरनाक संरचनाओं के खिलाफ सख्त अभियान जारी रखने की बात कही है।

औंगारी धाम में लगा मेगा स्वास्थ्य जागरुकता सह चिकित्सा शिविर, 550 से अधिक मरीजों का हुआ मुफ्त इलाज

प्रेम सिंघानिया की रिपोर्ट। केशववाणी एकंगरसराय (नालंदा)। एकंगरसराय प्रखंड के औंगारी धाम स्थित सूर्या आई. टीआई कॉलेज परिसर में शनिवार को स्वास्थ्य जागरूकता सह चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में एआईसीसी सदस्य एवं स्नातक अधिकार मंच के संयोजक डॉ. दिलीप कुमार उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. दिलीप कुमार, चिकित्सकों की टीम, औंगारी पंचायत की मुखिया कल्पना कुमारी, मुखिया प्रतिनिधि चुन्नू कुमार, जदयू के वरिष्ठ नेता राजन कुमार, इंजीनियर संजीव कुमार तथा राजीव रंजन कुमार ने दीप प्रज्वलित कर की।उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए डॉ. दिलीप कुमार ने कहा कि यह शिविर केवल सामान्य जांच शिविर नहीं, बल्कि एक मेगा हेल्थ कैंप है, जिसमें बिहारशरीफ से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ डॉक्टर ग्रामीणों की सेवा के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने लोगों से शांतिपूर्वक और धैर्य के साथ बारी–बारी से इलाज कराने की अपील की।शिविर में हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक कुमार, एमडी फिजिशियन डॉ. लाला लाजपत राय, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. मृत्युंजय कुमार, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. सौम्या कुमारी, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. ललित प्रभाकर तथा योग गुरु डॉ. मनोज कुमार ने अपनी सेवाएं दीं। सभी चिकित्सकों ने मरीजों से सीधा संवाद कर उन्हें स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी भी दी।मुखिया प्रतिनिधि चुन्नू कुमार, जदयू नेता राजन कुमार, समाजसेवी राजीव रंजन कुमार और इंजीनियर संजीव कुमार ने भी शिविर में उपस्थित लोगों

को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। योग गुरु डॉ. मनोज कुमार ने योग के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की सलाह दी।शिविर में कुल 550 से अधिक मरीजों ने मुफ्त जांच और इलाज का लाभ उठाया। इनमें महिलाओं की संख्या अधिक रही, जिन्होंने स्त्री रोग संबंधी जांच कराई। फिजिशियन, हड्डी रोग और नेत्र रोग विशेषज्ञों के काउंटर पर मरीजों की सबसे अधिक भीड़ देखी गई।सुबह 11 बजे से शुरू हुआ यह मेगा शिविर शाम 5:30 बजे तक चला। अंत में डॉक्टरों की टीम ने भविष्य में पुनः शिविर लगाने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने तालियों के साथ उनका स्वागत एवं सम्मानपूर्वक विदाई दी।

नालंदा की विरासत

महाभारतकालीन कुएं के जीर्णोद्धार की दरकार, जीर्णोद्धार नहीं हुआ तो मिट जाएगी ऐतिहासिक पहचान

महाभारतकालीन कुआं

मनियार मठ के पास प्राचीन धरोहर उपेक्षित, जीर्णोद्धार नहीं हुआ तो खत्म हो जाएगा ऐतिहासिक कुआं

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर राजीव लोचन की रिपोर्ट। केशववाणी

राजगीर (नालंदा) – ऐतिहासिक एवं पर्यटन नगरी राजगीर के मनियार मठ के समीप स्थित एक प्राचीन महाभारतकालीन कुआं आज उपेक्षा का शिकार बना हुआ है। उचित रख–रखाव और संरक्षण के अभाव में यह ऐतिहासिक धरोहर अपनी पहचान खोती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते इसका जीर्णोद्धार नहीं कराया गया, तो आने वाले दिनों में यह धरोहर पूरी तरह नष्ट हो सकती है।

मान्यता है कि यह कुआं शालीभद्र एवं धन्ना सेठ के काल का है और इसका इतिहास महाभारत युग से जुड़ा हुआ है। बताया जाता है कि जरासंध काल में लोग इस कुएं में स्नान कर मनियार मठ स्थित नागदेवी मंदिर में पूजा–अर्चना करने जाया करते थे। ध.ार्मिक आस्था के साथ–साथ यह कुआं स्थानीय जीवन का भी अहम हिस्सा था। इसी कुएं के पानी से मनियार मठ परिसर के बाग–बगीचों और पौधों की सिंचाई की जाती थी। स्थानीय जानकारों के अनुसार, जब कभी इस कुएं को सुखाया गया था, तब इसके नीचे से एक रहस्यमयी मार्ग भी मिला था।

हालांकि, सुरक्षा कारणों से कोई व्यक्ति उस रास्ते में अंदर तक नहीं जा सका, जिससे यह पता नहीं चल सका कि वह मार्ग कहां तक जाता है। इससे इस स्थल की ऐतिहासिक और पुरातात्विक महत्ता और भी बढ़ जाती है।

राजगीर का महाभारतकालीन कुआं बदहाली में, प्रशासन की अनदेखी से इतिहास मिटने के कगार पर

स्थानीय लोगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन से मांग की है कि इस प्राचीन कुएं की सफाई, उड़ाही और जीर्णोद्धार कर इसे संरक्षित किया जाए। उनका कहना है कि यदि इसे व्यवस्थित तरीके से विकसित किया जाए, तो यह स्थल भी राजगीर के पर्यटन मानचित्र पर एक नया आकर्षण बन सकता है और पर्यटकों को अपनी ओर खींच सकता है।

जहां जरासंध काल में होता था स्नान, आज बना खंडहर संरक्षण की राह देख रहा राजगीर का कुआं

ग्रामीणों ने बताया कि पहले इस कुएं से पटवन के लिए पाइप भी बिछाया गया था, लेकिन अब सब कुछ जर्जर अवस्था में है। आसपास गंदगी और झाड़–झंखाड़ के कारण यह स्थल अपनी गरिमा खोता जा रहा है।

गौरतलब है कि इसी मार्ग से होकर देश–विदेश के पर्यटक सोन भंडार सहित अन्य ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करने जाते हैं। यहां तक कि मुख्यमंत्री का काफिला भी राजगीर प्रवास के दौरान इसी रास्ते से होकर वन विभाग के गेस्ट हाउस तक पहुंचता है। इसके बावजूद इस महत्वपूर्ण धरोहर की अनदेखी समझ से परे है।

बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य व अधिकारों की रक्षा के लिए बाल विवाह रोकना जरूरी : सीमा कुमारी

रानी सिन्हा की रिपोर्ट केशववाणी । नूरसराय (नालंदा)। डीपी सिंह इंस्टीच्यूट ऑफ एजुकेशन (नर्सिंग) संस्थान के रामखेलावन ज्योति सभागार में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएससी नर्सिंग, पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग, जीएनएम एवं एएनएम के प्रशिक्षुओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सेमिनार को संबोधित करते हुए एलएडीसीएस की डिप्टी चीफ सीमा कुमारी ने कहा कि बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अधिकारों की रक्षा के लिए बाल विवाह पर रोक लगाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि बाल विवाह बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास में बड़ी बाधा है। पीएलवी रिचा कुमारी ने कहा कि बाल विवाह मुक्त भारत की दिशा में उठाया गया यह कानूनी कदम लड़कियों को आत्मनिर्भर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायक साबित होगा। डीएलएसए के सचिव राजेश कुमार गौरव ने कहा कि बाल विवाह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि यह बच्चों के बचपन, शिक्षा और भविष्य की हत्या के समान है। समाज को इस कुप्रथा के खिलाफ जागरूक होकर इसे समाप्त करने का संकल्प लेना चाहिए।

संस्थान की प्राचार्य प्रो. सिल्विया रंजन मैथ्यू ने कहा कि हमारा संविधान प्रत्येक बच्चे को सम्मानपूर्वक जीवन, शिक्षा और समान अवसर का अधिकार प्रदान करता है, जिसे सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षुओं ने बाल विवाह की रोक. थाम के लिए सामूहिक रूप से संकल्प लिया। इस अवसर पर महेश मेहता, प्रशांत कुमार, राजकिशोर रमन, सागर सिन्हा, अभिषेक कुमार, मौमीता शबनम, अर्पिता मंडल, प्रियंका कुमारी, नंदनी सिन्हा सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत, पहचान में जुटी पुलिस

केशववाणी | गिरियक (नालंदा)। गिरियक थाना क्षेत्र के दुर्गानगर के पास शनिवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में अज्ञात वाहन की टक्कर से एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गिरियक थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।घटना सुबह करीब 9रू00 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने व्यक्ति को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसका सिर बुरी तरह कुचल गया और घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। पुलिस को सुबह 9:07 बजे सूचना मिली, जिसके तुरंत बाद टीम मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है। उसकी उम्र लगभग 25 से 30 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। उसने लाल रंग का स्वेटर, काले रंग की पैंट और प्लास्टिक की चप्पल पहन रखी थी। उसके पास से एक शॉल और गमछा भी बरामद किया गया है। थाना प्रभारी श्रीकांत कुमार ने बताया कि शव की पहचान के लिए आम लोगों से अपील की जा रही है। शव को 72 घंटे तक थाने में सुरक्षित रखा जाएगा। यदि इस दौरान पहचान नहीं हो पाती है, तो पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेजा जाएगा। सिर कुचल जाने के कारण पहचान में कठिनाई हो रही है, इसलिए कपड़ों और अन्य सामान के आधार पर पहचान कराने का प्रयास किया जा रहा है।पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में जुट गई है और मामले की जांच जारी है।

इस्लामपुर स्नातक महाविद्यालय में संस्थापक रामजी सिंह व समाजसेवी महावीर प्रसाद को श्रद्धांजलि, सांसद कौशलेंद्र कुमार सहित सैकड़ों लोगों ने अर्पित किए श्रद्धा सुमन

गुड्डू कुमार की रिपोर्ट केशववाणी इस्लामपुर (नालंदा)। इस्लामपुर प्रखंड स्थित स्नातक महाविद्यालय परिसर में संस्थापक एवं जमीनदाता रामजी सिंह तथा समाजसेवी सचिव महावीर प्रसाद की आदमकद प्रतिमाओं पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जदयू सांसद सह महाविद्यालय के सचिव कौशलेंद्र कुमार, महाविद्यालय अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद एवं प्राचार्य आनंदी प्रसाद सिंह ने संयुक्त रूप से प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के उपरांत महाविद्यालय के सभागार में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सांसद कौशलेंद्र कुमार ने दोनों महापुरुषों को नमन करते हुए कहा कि शिक्षा के प्रति उनका अगाध लगाव और छात्रों के प्रति समर्पण का ही परिणाम है कि करीब पचास वर्ष पूर्व उन्होंने जमीन दान देकर इस महाविद्यालय की स्थापना कराई, जिससे क्षेत्र के छात्रों को उच्च शिक्षा का अवसर मिल सका। महाविद्यालय अध्यक्ष बीरेंद्र प्रसाद ने अपने संबोधन में पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि महाविद्यालय की स्थापना से पहले यहां के मेधावी छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए हिलसा स्थित संत उदासीन महाविद्यालय या पटना जाना पड़ता था, जिससे उन्हें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। प्राचार्य आनंदी प्रसाद सिंह ने पूर्व अध्यक्षों, सचिवों एवं प्राचार्यों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि आज महाविद्यालय में बेहतर

वर्गकक्ष, प्रयोगशाला, प्राचार्य कक्ष, शिक्षक कक्ष, पुस्तकालय सहित सुसज्जित बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षकेतर कर्मचारियों के सहयोग से महाविद्यालय निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर जमीनदाता रामजी सिंह के पुत्र मृत्युंजय कुमार एवं प्राचार्य आनंदी प्रसाद सिंह ने संयुक्त रूप से सांसद और अध्यक्ष का स्वागत किया, जबकि मृत्युंजय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। समारोह में वार्ड पार्षद संगीता कुमारी, प्रो. कंचन कुमारी, प्रो. गिरिजानंदन प्रसाद, प्रो. के.डी. शर्मा, प्रो. मिथलेश प्रसाद, सिद्धार्थ कुमार, धनराज कुमार, रवि कुमार, कुमुद रंजन कुमार, रोहित कुमार सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं, शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

गिरियक प्रखंड में वीवीजी विधेयक 2025 को लेकर पंचायत प्रतिनिधियों की जागरूकता बैठक आयोजित

शंकर कुमार सिन्हा की रिपोर्ट केशववाणी | गिरियक (नालंदा)। विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीवीजी विधेयक 2025 के सफल क्रियान्वयन और ग्रामीण स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से गुरुवार को गिरियक प्रखंड के मनरेगा कार्यालय परिसर में पंचायत प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड कार्यक्रम पदा. धिकारी संजीव कुमार ने की। उन्होंने वीवीजी विधेयक 2025 के उद्देश्यों, प्रमुख प्रावधानों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन एवं आजीविका सशक्तिकरण से जुड़े पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों से अपील की कि वे योजना की जानकारी गांव–गांव तक पहुंचाएं, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद ग्रामीण इसका लाभ उठा सकें। बैठक में अकाउंटेंट अमरेश कुमार और कनीय अभियंता (जेई) राजेश कुमार ने योजना के क्रियान्वयन, तकनीकी प्रक्रिया एवं वित्तीय प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला और पारदर्शिता के साथ कार्य करने पर बल दिया।

इस अवसर पर संतोष कुमार (प्रमुख प्रतिनिधि), चंदन कुमार (मुखिया, चोरसुआ), फूला देवी (मुखिया, रैतर), विनोद कुमार (पंचायत समिति सदस्य, कन्दोपुर), गोपाल कुमार (वार्ड सदस्य, घोषरामा), टुनटुन कुमार (मुखिया प्रतिनिधि, घोषरामा), अवध प्रसाद (मुखिया, गाजीपुर), राजेश प्रसाद (मुखिया प्रतिनिधि), सुनील सिंह (पंचायत समिति सदस्य, घोषरामा) सहित अन्य पंचायत प्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में सभी प्रतिनिधियों ने आपसी समन्वय के साथ योजना को सफल बनाने और अधिकाधिक ग्रामीणों तक इसका लाभ पहुंचाने का संकल्प लिया।

सुशीला चमेली आयुर्वेदिक अस्पताल बदहाली का शिकार

तीन दशक से डॉक्टर नहीं, भवन बना मवेशियों का ठिकाना

जयलेंद्र कुमार की रिपोर्ट, केशववाणी । थरथरी (नालंदा)। थरथरी प्रखंड के भतहर गांव स्थित सुशीला चमेली आयुर्वेदिक अस्पताल इन दिनों बदहाली का दंश झेल रहा है। कभी आसपास के दर्जनों गांवों के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं देने वाला यह अस्पताल आज पूरी तरह बंद पड़ा है और उपेक्षा का शिकार बना हुआ है।

वर्ष 1952 में स्थापित इस आयुर्वेदिक अस्पताल में पहले तीन डॉक्टर कार्यरत थे, लेकिन उनके सेवानिवृत्त होने के बाद अब तक किसी नए डॉक्टर की तैनाती नहीं की गई। करीब 30 वर्षों से चिकित्सक नहीं होने के कारण अस्पताल नाम मात्र का रह गया है।

करीब 30 डिसमिल भूमि में फैला अस्पताल परिसर अब अतिक्रमण की चपेट में है। भवन जर्जर हो चुका है और हालत इतनी खराब हो गई है कि यहां इलाज की जगह गाय, भैंस और बकरियां बांधी जा रही हैं। इससे सरकारी संपत्ति की खुलेआम दुर्दशा हो रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि कुछ वर्ष पूर्व स्थानीय विधायक ने विधानसभा में अस्पताल के पुनर्निर्माण और डॉक्टर की बहाली का मुद्दा उठाया था, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

प्रशासनिक उदासीनता के कारण यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र धीरे–धीरे समाप्ति की कगार पर पहुंच गया है।

भतहर सहित आसपास के दर्जनों गांवों के लोग पहले यहां इलाज कराने आते थे। अब उन्हें छोटी–छोटी बीमारियों के लिए भी दूर–दराज के अस्पतालों का रुख करना पड़ता है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से अस्पताल परिसर को अतिक्रमण से मुक्त कराने, नए सिरे से भवन निर्माण कराने तथा स्थायी रूप से डॉक्टर की तैनाती की मांग की है, ताकि क्षेत्रवासियों को फिर से आयुर्वेदिक चिकित्सा सुविधा का लाभ मिल सके।

नालंदा उद्यान महाविद्यालय में कौशल विकास प्रशिक्षण का उद्घाटन

प्राचार्य व कृषि वैज्ञानिकों ने दीप प्रज्वलित कर किया शुभारंभ

जिला संवाददाता, नालंदा, रानी सिन्हा की रिपोर्ट, केशववाणी । नूरसराय (नालंदा)। नालंदा उद्यान महाविद्यालय में शनिवार को युवा रोजगार व कौशल विकास मिशन के अंतर्गत बिहार कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में संचालित डोमेन स्किलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रणधीर कुमार, कृषि वैज्ञानिक डॉ. सी.एस. आजाद, डॉ. संतोष चौधरी एवं डॉ. नीरू कुमारी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रणधीर कुमार ने प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि कौशल ही सफलता की कुंजी है। यदि युवा हुनरमंद होंगे तो उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से दो माह के आवासीय प्रशिक्षण को ईमानदारी और लगन से पूरा करने की अपील की। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के बाद मिलने वाला प्रमाणपत्र देश–विदेश में रोजगार के अवसर प्रदान करने में सहायक होगा।*उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बेमौसम सब्जियों की खेती, पॉलीहाउस व नेट हाउस तकनीक, पुष्पविज्ञान तथा नर्सरी प्रबंधन की जानकारी दी जाएगी। इन तकनीकों को अपनाकर युवा स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ सकते हैं। उन्होंने बताया कि बिहार में फूलों की आपूर्ति अन्य राज्यों, विशेषकर पश्चिम बंगाल से होती है, जबकि स्थानीय स्तर पर फूलों की खेती कर कम लागत में अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है।*

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य डॉ. रणधीर कुमार ने 100 प्रशिक्षुओं को प्रमाणपत्र भी प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस मौके पर कृषि वैज्ञानिक डॉ. अजित कुमार, डॉ. सचिन, नीरज कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

ट्रेन की चपेट में आने से विक्षिप्त व्यक्ति की मौत, कड़ाह डीह रेलवे हॉल्ट पर हादसा

अनुमंडल संवाददाता, राजगीर, राजीव लोचन की रिपोर्ट, केशववाणी । राजगीर (नालंदा)। सिलाव थाना क्षेत्र के कड़ाह डीह रेलवे हॉल्ट पर शनिवार अपराह्न एक दर्दनाक हादसे में डीएमयू ट्रेन की चपेट में आने से करीब 65 वर्षीय मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में अफरा–तफरी मच गई।मृतक की पहचान हैदरगंज कड़ाह बाजार निवासी कामेश्वर साव के पुत्र विनोद साव के रूप में की गई है। घटना की सूचना मिलते ही सिलाव थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच–पड़ताल शुरू की।*थानाध्यक्ष मुरली मनोहर आजाद ने बताया कि परिजनों एवं आसपास के लोगों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक मानसिक रूप से अस्वस्थ था और भटकते हुए रेलवे ट्रैक की ओर चला गया था। इसी दौरान वह ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है। ऐसे में यूडी (अप्राकृतिक मृत्यु) केस दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।*
फिलहाल पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

राष्ट्र माता रमाबाई अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई

केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। आनंद मार्ग ब्लॉक चौक पर अति पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा एवं फुटपाथ संघर्ष मोर्चा के तत्वावधान में राष्ट्र माता रमाबाई अंबे.डकर की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गए और उनके त्याग व योगदान को याद किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अति पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं फुटपाथ संघर्ष मोर्चा के जिला अध्यक्ष रामदेव चौधरी ने कहा कि राष्ट्र माता रमाबाई अंबेडकर की जयंती प्रतिवर्ष 7 फरवरी को हर्षोल्लास के साथ मनाई जाती है। वे डॉ. भीमराव अंबेडकर की धर्मपत्नी थीं और उनके संघर्षपूर्ण जीवन में त्याग, समर्पण और अटूट सहयोग की प्रतीक रहीं। सामाजिक न्याय की लड़ाई में उन्होंने बाबासाहेब का हर कदम पर साथ दिया। उन्होंने बताया कि रमाबाई अंबेडकर का जन्म 7 फरवरी 1898 को महाराष्ट्र के दाभोल के समीप बणंदगांव में हुआ था। उन्हें स्नेहपूर्वक 'रमाई' और 'त्याग की मूर्ति' के रूप में सम्मानित किया जाता है। अत्यंत गरीबी और अभावों के बावजूद उन्होंने परिवार की जिम्मेदारियां संभालते हुए बा.बासाहेब को उच्च शिक्षा प्राप्त करने और दलितों व महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष करने में मानसिक और नैतिक समर्थन दिया।

वक्ताओं ने कहा कि रमाबाई अंबेडकर का जीवन समानता, सामाजिक न्याय और समर्पण की प्रेरणा देता है तथा उनकी जयंती समाज को संघर्ष और सेवा का संदेश देती है।

इस अवसर पर जिला महासचिव उमेश पंडित, फुटपाथ संघर्ष मोर्चा के जिला महासचिव महेंद्र प्रसाद, शैलेंद्र कुमार, अनिल कुमार, चंदन कुमार, राजेंद्र राउत, दीपक कुमार सहित कई कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

किड्स केयर कान्वेंट का 11वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से संपन्न, बच्चों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा मन

केशववाणी । बिहारशरीफ (नालंदा)। जिला स्थित महादेव मैरिज हॉल में किड्स केयर कान्वेंट का 11वां वार्षिकोत्सव समारोह हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि डॉ. राजीव रंजन, विशिष्ट अतिथि डॉ. ममता कौशांबी, शोभा कुमारी सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. राजीव रंजन ने कहा कि वार्षिकोत्सव बच्चों की प्रतिभा को मंच देने का सशक्त माध्यम है, जिससे उनके आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का विकास होता है। वहीं डॉ. ममता कौशांबी ने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।समारोह में छात्र–छात्राओं ने नृत्य, गीत, नाटक, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य रंगारंग प्रस्तुतियां दीं, जिसने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा और उत्साह को देखकर अभिभावकों ने भी खूब तालियां बजाकर उनका उत्साहवर्धन किया।
कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक–शिक्षिकाएं, अभिभावक, छात्र–छात्राएं एवं गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। पूरे समारोह का माहौल उत्सवमय और आकर्षक बना रहा।